MANAGE BULLETIN
https://www.manage.gov.in/
November 2023

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)

(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन)

मैनेज को गोल्ड स्कोच एवार्ड 2023 प्राप्त हुआ

मैनेज को दिनांक 18 नवंबर, 2023 को नई दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित 95वें स्कोच समिट में प्रतिष्ठित "गोल्ड स्कोच अवार्ड फॉर एग्री-क्लिनीक्स एंड एग्री- बिजनेस सेंटर्स (एसीएंडएबीसी) स्कीम" के लिए मिला। स्कोच अवार्ड भारत का सर्वोच्छ स्वतंत्र सम्मान है जो उद्योग जगत के दिग्गजों, विद्वानों, टेकनोक्रेट्स, नेताओं और जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं को देश की जनता के सामाजिक-आर्थिक विकास में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने श्री समीर कोचर, अध्यक्ष, स्कोच और डॉ. गुरशरण धनजल, उपाध्यक्ष, स्कोच से यह पुरस्कार प्राप्त किया। इस अवसर पर डॉ. शाहजी फंड, प्रधान समन्वयक, एसी एण्ड एबीसी योजना भी उपस्थित थे। यह पुरस्कार 87000 से अधिक बेरोजगार कृषि और विज्ञान स्नातकों को कृषि उद्यमियों में बदलने और 32 श्रेणियों में किसानों की सेवा में कृषि उद्यम शुरू करने के लिए 38000 से अधिक प्रशिक्षित कृषि उद्यमियों का समर्थन करने में उनके उत्कृष्ट योगदान किसानों की आय और पैदावार बढ़ाना और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए मैनेज को दिया गया है।

एग्री-क्लिनिक एण्ड एग्री बिजनेस सेंटर (एसीएबीसी) योजना के बारे में

एग्री-क्लिनिक एण्ड एग्री-बिजनेस (एसी एंड एबीसी), भारत सरकार की एक प्रमुख मेगा योजना है, जिसे वर्ष 2002 से नाबार्ड के सहयोग से देशभर में लागू किया गया है। इसका उद्देश्य बेरोजगार युवाओं को देश के विभिन्न हिस्सों में 45 दिनों के निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण के माध्यम से स्व-नियोजित कृषि उद्यमियों में बदलना है। साथ ही इस योजना के अंतर्गत बैंकों से ऋण और सब्सिडी प्राप्त करने का भी प्रावधान है। एसी एंड एबीसी योजना को मैनेज, हैदराबाद द्वारा पूरे देश में 131 नोडल प्रशिक्षण संस्थानों (एनटीआई) के नेटवर्क के साथ लागू किया जा रहा है। अब तक कुल 87903 उम्मीदवारों को पूरे भारत में प्रशिक्षित किया गया है और किसानों की सेवा में 32 श्रेणियों में लगभग 38710 उद्यम स्थापित किए गए हैं।

महानिदेशक का संदेश

एसीएबीसी योजना के लिए मैनेज को स्कोच गोल्ड पुरस्कार - बढ़ी हुई जिम्मेदारी का एक गौरवपूर्ण क्षण

मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि मैनेज को देश में दो दशक से अधिक समय से एग्री-क्लिनिक और एग्री-बिजनेस सेंटर (एसी एंड एबीसी) योजना के प्रभावी कार्यान्वयन के माध्यम से बेरोजगार कृषि स्नातकों को सफल कृषि उद्यमियों में बदलने के लिए किए गए महत्वपूर्ण प्रभाव के लिए प्रतिष्ठित स्कोच गोल्ड अवार्ड 2023 प्राप्त हुआ है। हम, मैनेज में, बढ़ गई जिम्मेदारी के साथ इस उपलब्धि पर बहुत गर्व महसूस करते हैं।

हम यह पुरस्कार एसी एण्ड एबीसी योजना के तहत प्रशिक्षित 87000 से अधिक कृषि उद्यमियों, देश भर में फैले 130 से अधिक नोडल प्रशिक्षण संस्थानों (एनटीआई), संसाधन व्यक्तियों, नाबार्ड, अग्रणी बाँकों और मैनेज टीम को उनके दोनों दशकों से अधिक के ईमानदार प्रयासों के लिए समर्पित करते है। हम कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार को भारत में उनकी प्रमुख एसीएण्डएबीसी योजना को लागू करने में मैनेज को उनके समर्थन और सहयोग के लिए धन्यवाद देते है।

ये उपलब्धि हमें बेरोजगार युवाओं को कृषि उद्यमी बनाने और देश में एक जवाबदेह और टिकाऊ कृषि विस्तार प्रणाली बनाने के लिए हमारे निरंतर समर्पित प्रयासों को जारी रखने के लिए प्रेरित करती है।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा
महानिदेशक, मैनेज

इस अंक में .....

- मैनेज को गोल्ड स्कॉच पुरस्कार प्राप्त हुआ 1
- महानिदेशक का संदेश 2
- प्राकृतिक खेती में कृषि सखियों के लिए प्रशिक्षण शुरू 3
- मैनेज ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया 3
- कृषि विस्तार में कंप्यूटर अनुप्रयोगों पर आईटीईसी कार्यक्रम 4
- उभरती अर्थव्यवस्थाओं में कृषि-व्यवसाय इन्क्यूबेटरों पर आईटीईसी कार्यक्रम 5
- ओडिशा सरकार के अधिकारियों के लिए सौर खेती, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक खेती पर प्रशिक्षण कार्यक्रम 6-7
- भविष्य के लिए कृषि छात्रों के लिए नई दक्षताएँ 7
- जय जवान किसान कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया 8
- एमएएफएसयू संकाय के लिए प्रबंधकीय कौशल 9
- जय जवान किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम 8
- अगली पीढ़ी की कृषि पर राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए योजना बैठक 9

प्राकृतिक खेती में कृषि सखियों के लिए प्रशिक्षण की शुरुआत

कृषि सखी प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 22 नवंबर, 2023 को श्री चरणजीत सिंह, अतिरिक्त सचिव (ग्रामीण विकास) ग्रामीण विकास मंत्रालय, श्रीमती योगिता राणा, सयुक्त सचिव (आईएनएम), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत द्वारा शुभारंभ किया गया।

उद्घाटन के दौरान, श्री चरणजीत सिंह, अतिरिक्त सचिव (ग्रामीण विकास) ने जमीनी स्तर के समुदाय संसाधन व्यक्तियों की आजीविका को मजबूत बनाने और उन्हें गांवों में विभिन्न सेवाएं प्रदान करने के लिए उनकी क्षमता निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया। श्रीमती योगिता राणा, संयुक्त सचिव (आईएनएम), 'कृषि सखियों' को क्षमता निर्माण प्रशिक्षण प्राप्त करने और प्राकृतिक खेती के लिए मास्टर प्रशिक्षक बनने के लिए प्रेरित किया। प्रशिक्षण के बाद, मैनेज कृषि सखियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करेगा और योग्य उम्मीदवारों को परा-विस्तार कार्यकर्ता के रूप में प्रमाणित करेगा।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने कृषि सखियों के लिए पांच दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए विकसित मास्टर प्लान का प्रदर्शन किया और परा-विस्तार कार्यकर्ताओं के रूप में कृषि सखियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रशिक्षण सामग्री को क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद करने का सुझाव दिया।

मैनेज ने एफआईसीसीआई और सिंजेंटा फाउंडेशन के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया

मैनेज ने दिनांक 21 नवंबर, 2023 को भारतीय वाणिज्य मण्डल और उद्योग (एफआईसीसीआई) और सिजेन्टा फाउंडेशन (एसएफआई) के साथ दो समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किया।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज और श्री भास्कर रेड्डी, सलाहकार-कृषि, एफआईसीसीआई ने निजी क्षेत्र के निवेश का लाभ उठाकर और सरकारी योजनाओं का अभिसरण लाकर कृषि में बड़े पैमाने पर पीपीपी परियोजनाओं के लिए सहयोग करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया।

उसी कार्यक्रम में, डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानोदेशक, मैनेज और श्री राजेंद्र जोग, कार्यकारी निदेशक, सिजेन्टा फाउंडेशन इंडिया (एसएफआई) ने ग्रामीण युवाओं को कृषि-उद्यमी में बदलने के लिए 60 दिवसीय कृषि-उद्यमिता विकास कार्यक्रम को डिजाइन और आयोजित करने के लिए मिलकर कार्य करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया।

पाठ्यक्रम मॉड्यूल में आधारभूत कृषि, एकीकृत नाशकजीव प्रबंधन (आईपीएम), एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन (आईएनएम) और उद्यमिता शामिल हैं। मैनेज के संकाय और सिजेन्टा फाउंडेशन के अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

कृषि विस्तार में कंप्यूटर अनुप्रयोग

मैनेज ने दिनांक 2 से 14 नवंबर, 2023 के दौरान "कृषि विस्तार में कंप्यूटर अनुप्रयोग" विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय आईटीईसी (भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग) प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

श्री. शोभना कुमार पटनायक, पूर्व सचिव (कृषि) कृषि एवं सहकारिता विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

कार्यक्रम में 14 देशों बांग्लादेश, डोमिनिकन गणराज्य, इराक, केन्या, मालदीव, पापुआ न्यू गिनी, सोलोमन द्वीप, दक्षिण सूडान, श्रीलंका, सीरिया, तंजानिया, टोंगा, त्रिनिदाद और टोबैगो के कुल 28 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

श्री शोभना कुमार पटनायक ने प्रतिभागियों से अपने-अपने देशों में कृषि क्षेत्र के विकास में योगदान देने के लक्ष्य के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान नए ज्ञान प्राप्त करने, विचारों का आदान-प्रदान करने और मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्राप्त करने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर भी चर्चा की कि कैसे कोविड-19 महामारी के कारण कृषि विस्तार कार्यक्रम भौतिक से ऑनलाइन या ई-विस्तार मोड में स्थानांतरित हो गया है।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने कृषि में कंप्यूटर अनुप्रयोगों के महत्व पर बल दिया ताकि अपर्याप्त जनशक्ति, संचार बाधाओं और प्रौद्योगिकी प्रसार में देरी जैसी चुनौतियों को दूर किया जा सके।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का लक्ष्य प्रतिभागियों को कृषि विस्तार में नए सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) और डिजिटल पहलों के व्यापक अनुप्रयोग से लैस करना था। इन पहलों में जीआईएस(GIS), सुदूर संवेदन(remote sensing), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस(AI), ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी (Blockchain Technologies), पोर्टल, मोबाइल ऐप, वर्चुअल निगरानी प्रणाली (virtual monitoring systems), सोशल मीडिया, मौसम आधारित कृषि-मौसम परामर्श सेवाएं (weather-based agromet-advisory services) आदि शामिल थीं। इन प्रतिभागियों को हैदराबाद के अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (IIIT) और टी-हब (T-Hub) के दौरे के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर दिया गया। इस प्रशिक्षण में ई-फसल डिजिटल फसल बुकिंग, ड्रोन अनुप्रयोग और विस्तार सलाहकार सेवाओं में विघटनकारी नवाचारों जैसे विषयों को भी शामिल किया गया।

डॉ. मंतेश शिरूर, उप निदेशक, मैनेज ने डॉ. जी. नवीन कुमार, अकादमिक एसोसिएट, मैनेज की सहायता से कार्यक्रम का समन्वय किया।

भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

उभरती अर्थव्यवस्थाओं में कृषि-व्यवसाय इनक्यूबेटर

मैनेज ने दिनांक 22 नवंबर से 05 दिसंबर, 2023 के दौरान "उभरती अर्थव्यवस्थाओं में कृषि व्यवसाय इनक्यूबेटरों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम" शीर्षक से एक अन्तराष्ट्रिय आईटीईसी (भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग) प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस लक्षित प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से, मैनेज का उद्देश्य सीमाओं से पड़े उभरती अर्थव्यवस्थाओं में कृषि व्यवसाय परिस्थिति तंत्र के विकास और सुदृनिकरण में योगदान देना है।

कुल 23 प्रतिभागियों ने 11 एशियाई और अफ्रीकी देशों, अर्थात् युगांडा, नेपाल, दक्षिण सूडान, मलावी, कंबोडिया, जिम्बाब्वे, ताजिकिस्तान, नाइजीरिया, सीरिया, नाइजर और केन्या से कार्यक्रम में भाग लिया।

उद्घाटन संबोधन में, डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने कृषि स्टार्टअप्स से उभरने वाले नवीन समाधानों के महत्व पर प्रकाश डाला, जिनसे पोषण सुरक्षा, जलवायु-स्मार्ट कृषि, गौण कृषि, एफपीओ और प्रौद्योगिकियों के अनुप्रयोग से निपटा जा सकता है जो नए विस्तार मॉडल की ओर ले जा रहे हैं। उन्होंने आरकेवीवाई-रफ्तार योजना साझा की और प्रतिनिधियों को अपने देशों में इनक्यूबेशन केंद्रों की स्थापना के लिए काम करने के लिए प्रोत्साहित किया।

डॉ. सरवनन राज, निदेशक (कृषि विस्तार), सीईओ सेंटर फॉर इनोवेशन एंड एग्रीप्रेन्योरशिप, मैनेज जो इस कार्यक्रम का निर्देशन कर रहे है, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के पहलों और देश में इनक्यूबेशन सेंटर और एग्रीस्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए ज्ञान भागीदार के रूप में मैनेज की भूमिकाओं को समझाया। उन्होंने बताया कि मैनेज सीमाओं से परे कृषि स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा दे रहा है और साझा किया कि जर्मनी-भारत-मलावी त्रिकोणीय सहयोग के माध्यम से मैनेज मलावी में एक महिला उन्मेष केंद्र स्थापित करने में भागीदार रहा है। इस कार्यक्रम का समन्वयन श्री युवराजू, बिजनेस मैनेजर, मैनेज द्वारा किया जा रहा है।

सौर खेती, जलवायु परिवर्तन और ओडिशा सरकार के अधिकारियों के लिए प्राकृतिक खेती पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

सौर खेती

ओडिशा सरकार के अधिकारियों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की श्रृंखला में, मैनेज ने नवंबर, 2023 के महीने में सौर खेती, कृषि में जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक खेती जैसे वर्तमान विषयों पर तीन महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। दिनांक 6 से 10 नवंबर, 2023 के दौरान कृषि और किसान सशक्तिकरण विभाग, ओडिशा सरकार के कृषि अधिकारियों के लिए "सौर कृषि प्रशिक्षण कार्यक्रम" आयोजित किया गया था। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में चौबीस कृषि अधिकारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

इस कार्यक्रम ने मैनेज के हाइब्रिड सौर मॉडल के अन्वेषण पर ध्यान केंद्रित किया, जो पारंपरिक ज्ञान और अत्याधुनिक तकनीक के मिश्रण का प्रदर्शन करता है, जो एक संतुलित और कुशल ऊर्जा आपूर्ति प्रदान करता है। राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और माध्यम उद्यम संस्थान (एनआई-एमएसएमई), प्रोफ़ेसर जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विस्वविद्यालय, जल प्रौद्योगिकी केंद्र और ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान में ग्रामीण प्रौद्योगिकी पार्क जैसे संस्थानों के क्षेत्रीय दौरे शामिल थे, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में सौर अनुप्रयोगों के बारे में वास्तविक जानकारी मिली।

व्यावहारिक सत्रों में सौर कैबिनेट ड्रायर तकनीक और फलों और सब्जियों के सौर निर्जलीकरण को शामिल किया गया, जो सौर सुखाने की पर्यावरण के अनुकूल और ऊर्जा-कुशल प्रकृति का प्रदर्शन करता है। इसने सौर ऊर्जा से चलने वाली सिंचाई प्रणालियों, पानी के पंपों, सुखाने के तरीकों, ग्रीनहाउस हीटिंग, रेफ्रिजरेशन, बिजली उत्पादन आदि सहित व्यावहारिक अनुप्रयोगों को भी शामिल किया।

डॉ. के कृष्णा रेड्डी, निदेशक (आईसीटी) ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

कृषि में जलवायु परिवर्तन

मैनेज ने दिनांक 20 से 24 नवंबर, 2023 के दौरान कृषि विभाग, ओडिशा के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए 'कृषि में जलवायु परिवर्तन' विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में कृषि विभाग, ओडिशा के पच्चीस वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम का फोकस कृषि पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को संबोधित करना था, जिसमें जलवायु-जोखिमों को काम करने के लिए पूर्व चेतावनी, जलवायु-लचीले तरीकों, पर्यावरण-अनुकूल किट प्रबंधन और अक्रिकीट कृषि प्रणालियों में भारत मौसम विज्ञान विभाग की भूमिका पर जोड़ दिया गया। इसने नाबार्ड की कार्बन पृथक्करण में भागीदारी, डिजिटल सलाहकार सेवाओं और जलवायु-नियंत्रित कृषि के निर्माण में योगदान करने वाले जलवायु अनुकूल कृषि पर राष्ट्रीय नवाचार के नवाचारों को भी शामिल किया।

डॉ. पी. चंद्रा शेखर, महानिदेशक, मैनेज ने बदलते जलवायु के प्रभाव को रेखांकित किया, जिससे कीटों और बीमारियों में वृद्धि हो रही है, खाद्य श्रृंखला बाधित हो रही है और कृषि पद्धतियों और मत्स्य पालन को प्रभावित कर रही है, जिससे पैदावार कम हो रही है। उन्होंने आकस्मिक योजना की आवश्यकता पर बल दिया, किसानों से आय बढ़ाने के लिए जीरो वेस्टेज फार्मिंग अपनाने का आग्रह किया।

डॉ. एन बालासुब्रमणि, निदेशक (एसए एंड सीसीए), मैनेज ने कार्यक्रम का समन्वय किया.

प्राकृतिक खेती

प्राकृतिक खेती, जो रासायनिक मुक्त और पारंपरिक तरीकों का पर्याय है, फसलों, पेड़ों और पशुओं को कार्यात्मक जैव विविधता के साथ एकीकृत करती है। भारत में, प्रधानमंत्री कृषि विकास योजना (पीकेवी योजना) के अंतर्गत भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति कार्यक्रम (बीपीकेपी) पारंपरिक प्रथाओं को बढ़ावा देता है, जिससे बाहरी आदानों पर निर्भरता कम होती है।

प्राकृतिक खेती के महत्व को स्वीकार करते हुए, मैनेज ने ओडिशा सरकार के कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए "प्राकृतिक खेती" पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया, जो ओडिशा सरकार द्वारा दिनांक 28 नवंबर से 2 दिसंबर, 2023 तक प्रायोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 25 अधिकारियों का एक समूह शामिल था।

इस प्रशिक्षण का उद्देश्य साल भर खेतों को ढके रखने वाली फसल प्रणाली को बढ़ावा देना था, जिसमें वानिकी और मधुमक्खी पालन, जल संरक्षण जैसे अभ्यासों को शामिल किया गया था। साथ ही सफलता के लिए किसानों को जोड़ने में एफपीओ (किसान उत्पादक संगठन) की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी कार्यक्रम में ध्यान केंद्रित किया गया। कार्यक्रम में जैव-

उत्तेजक और पुनःनिर्मित मृदा प्रथाओं के माध्यम से एकीकृत पीड़क प्रबंधन (आईपीएम) पर भी बल दिया गया। इसमें मुख्य तत्व खेत पर ही जैव-आधार का पुनर्चक्रण, जैव-आधार का मल्चिंग, गोबर-गोमूत्र के मिश्रण और कृत्रिम रसायनों को बाहर रखना शामिल था।

डॉ. बी. रेणुका रानी, उप निदेशक (एनआरएम), मैनेज ने कार्यक्रम का समन्वय किया.

भविष्य के लिए कृषि छात्रों को नई दक्षताएँ प्रदान करना

मैनेज ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए दिनांक 16-25 नवंबर, 2023 के दौरान “कृषि छात्रों के लिए नई दक्षताएं” विषय पर दस दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में साठ छात्रों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य नई दक्षताओं, नवाचारों और तकनीकी प्रगति को एकीकृत करके कृषि शिक्षा को बढ़ाना था। इसका लक्ष्य प्रतिभागियों में आलोचनात्मक सोच, संचार कौशल, नेतृत्व, डिजिटल साक्षरता और उद्यमशीलता क्षमताओं का विकास करना था, ताकि कृषि क्षेत्र के बदलते परिदृश्य के लिए छात्रों को तैयार करने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया जा सके। इस कार्यक्रम को गतिविधि-आधारित सत्रों के माध्यम से व्यावहारिक अनुभवात्मक सीखने पर जोर देने के लिए डिज़ाइन किया गया था।

उद्घाटन सत्र में, डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने कृषि उद्यमिता में संभावनाओं और युवाओं के लिए एग्री क्लीनिक और एग्री बिजनेस केंद्र योजना (एसीएंडएबीसी) और कृषि स्टार्टअप जैसी योजनाओं के अवसरों पर चर्चा की।

डॉ. सरवनन राज, निदेशक (कृषि विस्तार), मैनेज ने कार्यक्रम का संचालन किया।

जय जवान किसान कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया

मैनेज ने चार महीने का एक लंबा कार्यक्रम “जय जवान किसान” प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे बैच का उद्घाटन किया जो 13 नवंबर,, 2023 से 01 मार्च, 2024 तक महानिदेशालय पुनर्वास, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के समर्थन से चलाया जाएगा।

"जय जवान किसान" कार्यक्रम का उद्देश्य पूर्व सैनिकों को उद्यमी किसान (एग्रिप्रेन्योर) बनने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस करना है, जिससे हमारे कृषि क्षेत्र के विकास में योगदान मिलेगा। विभिन्न राज्यों के सेना, नौसेना और वायु सेना के तीस सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी इस कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं।"

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने अपने उद्घाटन संबोधन में, राष्ट्र के लिए समर्पित सेवाओं के लिए अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया और उनसे आग्रह किया कि वे कृषि उद्यमी (एग्रिप्रेन्योर) के रूप में जीवन की एक नई पारी शुरू करें और कृषि क्षेत्र की सेवा करें।

अधिकारियों को प्रोत्साहित करते हुए उनका कहना था कि कृषि क्षेत्र कई अवसरों को प्रदान कर रहा है इस संदर्भ में गवों में कृषि व्यापार चलाना एक भरोसेमंद विचार है।

उन्होंने यह भी बताया कि चार महीनों की अवधि में, प्रतिभागियों को दो चरणों में व्यापक प्रशिक्षण दिया जाएगा। पहला - प्रशिक्षण मॉड्यूल में कृषि के बारे में मौलिक ज्ञान प्राप्त करना शामिल था, और दूसरा - कृषि उद्यमिता और कृषि व्यवसाय के सार को समझना। उन्होंने कृषि पर्यटन, कृषि उत्पादों के लिए कोल्ड चेन विकास, खाद्य प्रसंस्करण सुविधाओं, कृषि के मशीनीकरण, संरक्षण उपकरण, तकनीक, कृषि में ड्रोन के उपयोग और एफपीओ को बढ़ावा देने के साथ-साथ कृषि में अन्य व्यावसायिक अवसरों की क्षमताओं पर प्रकाश डाला।

डॉ. एन. बालासुब्रमणी, निदेशक (एसएएण्डसीसीए), मैनेज इस कार्यक्रम के निदेशक हैं।

महाराष्ट्र पशु एवं मत्स्य विज्ञान विश्वविद्यालय के संकाय के लिए प्रबंधकीय कौशल

मैनेज ने दिनांक 28 नवंबर से 02 दिसंबर, 2023 तक "महाराष्ट्र पशु और मत्स्य विज्ञान विश्वविद्यालय के संकाय के बीच शिक्षण प्रबंधकीय कौशल बढ़ाने" (महाराष्ट्र पशु और मत्स्य विज्ञान विश्वविद्यालय, नागपुर) पर 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। 25 प्रतिभागियों का एक समूह, जिसमें सहायक प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर शामिल हैं, इस कार्यक्रम का हिस्सा हैं।

इस कार्यक्रम का फोकस सीखने और उसके सिद्धांतों, संचार और प्रस्तुतीकरण कौशल, नेटवर्किंग और समन्वय क्षमताओं, आत्म-विश्लेषण, अकादमिक नेतृत्व, व्यक्तित्व विकास, परामर्श, मार्गदर्शन और मूल्यांकन पर है। इसके अतिरिक्त, कार्यक्रम नवीन विचारों, उद्यमशीलता, तनाव और संघर्ष प्रबंधन, और प्रभावी समय प्रबंधन को बढ़ावा देने में गहराई से जाता है। डॉ. शाहजी फंड, उप निदेशक (सम्बद्ध विस्तार), मैनेज ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

अगली पीढ़ी की कृषि पर राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए योजना बैठक

अंतर्राष्ट्रीय विस्तार शिक्षा सोसाइटी और मैनेज ने दिनांक 28 से 30 जनवरी, 2024 के दौरान जबलपुर में आयोजित होने वाले "अगली पीढ़ी की कृषि: विस्तार रणनीतियाँ और दृष्टिकोण" विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन की योजना और तैयारी के संबंध में एक रणनीतिक बैठक का आयोजन किया। डॉ. के. नारायण गौड़ा, अध्यक्ष, राष्ट्रीय सांख्यिकी और आर्थिक अध्ययन-संस्थान और डॉ. पी. चंद्र शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में किसान उद्यमों की लाभप्रदायकता बढ़ाने के लिए मात्रात्मक विस्तार से गुणात्मक विस्तार पद्धतियों पर ध्यान केंद्रित करने पर जोर दिया गया। डॉ. एल. कलांत्री, महासचिव, राष्ट्रीय सांख्यिकी और आर्थिक अध्ययन-संस्थान, डॉ. एन. बालासुब्रमणी, निदेशक, (एसएएण्डसीसीए), मैनेज और डॉ. एस.वी. रेड्डी, अध्यक्ष और कार्यकारी निदेशक, सहभागी ग्रामीण विकास पहल सोसायटी भी बैठक में उपस्थित थे।

संपादकीय टीम

मैनेज बुलेटिन प्रकाशित किया जाता है

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा
महानिदेशक
राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)
(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन)
राजेंद्रनगर, हैदराबाद -500030, भारत

वेबसाइट: www.manage.gov.in

मुख्य संपादक
डॉ. पी. चन्द्र शेखरा
महानिदेशक, मैनेज

संपादक
डॉ. श्रीनिवासचार्युलु अत्तालूरी
उप निदेशक (ज्ञान प्रबंधन), मैनेज

सहायक संपादक
कृष्णा दाभोलकर
आउटरीच विशेषज्ञ, मैनेज

हिन्दी अनुवाद
सुश्री पुजा दास,
वरिष्ठ अनुवादक